No. of Printed Pages : 4

MPSE-001

MASTER OF ARTS
(POLITICAL SCIENCE)

01631

Term-End Examination

December, 2012

MPSE-001 : INDIA AND THE WORLD

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Attempt **five** questions, selecting at least **two** from each section. **All** questions carry **equal** marks. Answer each question in about **400** words.*

SECTION - I

1. Examine the features and relevance of the realist framework for studying India's foreign policy.

2. Discuss the role of parliament and its committees in the shaping of India's foreign policy.

3. Discuss India's foreign policy during National Democratic Aliance's (NDA) rule.

4. Examine the major trends in India - China relations in the post - cold war years.

5. Analyse the role of regional associations in contemporary international relations.

SECTION - II

Write short notes on each of the following in about 200 words.

6. (a) Preference for middle way in the Indian tradition.

   (b) Indian National Congress and India's world view.

7. (a) India - Russia relations in the post-cold war years.

   (b) Areas of discord in India - South Africa relations.

8. (a) Prospects for cooperation under BIMSTEC

   (b) India's security and economic interests in West Asia.

9. (a) Disarmament machinary of the United Nations.

   (b) International humanitarian law.

10. (a) India's nuclear policy.

    (b) India's disarmament policy.

राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2012

एम.पी.एस.ई.-001 : भारत और विश्व

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्न में से कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये, प्रत्येक खण्ड में से कम से कम **दो** प्रश्न चुनते हुये। सभी प्रश्नों के **समान** अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **400** शब्दों में हैं।*

खण्ड - I

1. भारत की विदेश नीति के अध्ययन के लिये यथार्थवादी ढाँचे के लक्षणों और प्रासंगिकता का परीक्षण करें ।

2. भारत की विदेश नीति के निर्माण में संसद और उसकी समितियों की भूमिका की चर्चा कीजिये ।

3. राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चे (NDA) के शासन के दौरान भारत की विदेश नीति की चर्चा कीजिये ।

4. शीत युद्ध पश्चात काल में भारत-चीन सम्बंधों की प्रमुख प्रवृत्तियों का परीक्षण करें ।

5. समकालीन अंतर्राष्ट्रीय सम्बंधों में क्षेत्रिय संगठनों की भूमिका का विश्लेषण करें ।

खण्ड - II

निम्न में से प्रत्येक पर लगभग 200 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखें।

6. (a) भारतीय परंपरा में मध्यस्थ मार्ग के लिये रूझान

   (b) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारत की विश्व दृष्टि

7. (a) शीत युद्ध पश्चात् काल में भारत -रूस सम्बंध

   (b) भारत -दक्षिण अफ्रीका सम्बंधों में तनाव के क्षेत्र

8. (a) बिमस्टेक (BIMSTEC)के अधीन सहयोग की संभावनायें

   (b) पश्चिम एशिया में भारत के सुरक्षा और आर्थिक हित

9. (a) संयुक्त राष्ट्र का निरस्त्रीकरण तंत्र

   (b) अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कानून

10. (a) भारत की परमाणु नीति

    (b) भारत की निरस्तीकरण नीति